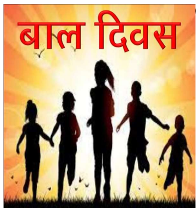

दैनिक भारतीय बस्ती

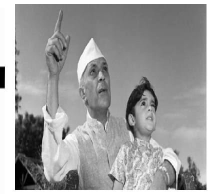

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 114 शुक्रवार 14 नवम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कृषि क्षेत्र को विकसित बनाने की तैयारी

लखनऊ (आभा)। आजादी के सौ साल पूरे होने पर विकसित भारत व उत्तर प्रदेश बनाने में कृषि क्षेत्र का अहम योगदान होगा। तब तक यूपी की अर्थव्यवस्था को छह ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें कृषि क्षेत्र का योगदान एक ट्रिलियन डॉलर होगा। यह जानकारी योगी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने को कृ

षि विभाग ने 22 संकल्प लिए हैं।

गुरुवार को कृषि निदेशालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि कृषि विभाग इन 22 संकल्पों को पूरा करने का खाका बनाने में जुटा है। 17 नवंबर को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जन संवाद एवं विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और कृषि विभाग के अधिकारी मिलकर इन संकल्पों को पूरा करने की समय–सीमा निर्धारित करेंगे।

22 संकल्पों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग व नवाचार को बढ़ावा देना, दलहन, तिलहन व मक्का उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है।

आतंकियों को ऐसी सजा देंगे कि दुनिया देखेगी-अमित शाह

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के लाल किला धमाके को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट के दोषियों को दी जाने वाली सजा इतनी कड़ी होगी कि पूरी दुनिया देखेगी, और इससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति हमारे देश में इस

तरह के हमले की हिम्मत न कर सके।

अमित शाह ने गुजरात के मोती भाई चौधरी सागर सैनिक स्कूल के एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

एक नजर

नलकूप विभाग के चालक ने फंसरी लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती में विकास भवन के पास स्थित एक सरकारी आवास में गुरुवार सुबह नलकूप विभाग के चालक का फंदे से लटका शव मिला। मृतक की पहचान उदय नारायण (45), निवासी देवसिंहापार गांव, थाना नगर, के रूप में हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, उदय नारायण बुधवार रात अपने गांव गए थे। जहां उन्होंने अपनी बेटी का जन्मदिन मनाया था। देर रात वे वापस अपने सरकारी आवास पर लौट आए थे।

शुक्रवार सुबह जब उनकी पत्नी गांव से आवास पर पहुंचीं, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। बाद में दरवाजा खुलवाया गया, तो अंदर उदय नारायण छत की कुंडी से कपड़े के सहारे फंदे से लटका मिला।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। परिजनों व सहकर्मियों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है।

ट्रेलर से कुचलकर युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को एक सड़क हादसे में हरैया थाना क्षेत्र के तेंनुआ गांव निवासी आबिद अली (33) पुत्र मोहम्मद इस्लाम की मौत हो गई। यह हादसा छावनी कस्बे के पास थाने के सामने हुआ। आबिद की बाइक पहले सामने जा रही ट्रैक्टर–ट्राली से टकराई। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे कुचल दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आबिद अली हरैया से अयोध्या की ओर जा रहा था। छावनी थाने के पास उसने एक ट्रैक्टर–ट्राली को ओवरटेक करने का प्रयास किया, तभी यह हादसा हुआ। ट्रेलर की गति इतनी तेज थी कि चालक ब्रेक नहीं लगा पाया और आबिद को कुचल दिया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आबिद की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर छावनी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसे के कारण मार्ग पर जाम लग गया था, जिसे पुलिस ने बाद में हटवाया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर गांधी आश्रम चकिया के पास बीती रात एक सड़क हादसे में अपाची बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

मृतक की पहचान कलवारी थानाक्षेत्र के मईपुर (पटपरवा) गांव निवासी शोहरत अली पुत्र शमशाद अली के रूप में हुई है। शोहरत अपनी अपाची बाइक से रामपुर से कुदरहा की ओर जा रहा था, तभी लालगंज थानाक्षेत्र में गांधी आश्रम चकिया के पास यह घटना हुई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि शोहरत अली गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड दिया।

डीएम ने किया विकास, निर्माण कार्यों की समीक्षा, कहा शिथिलता बर्दाश्त नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कार्यक्रमों व निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने विभागों की योजनाओं/कार्यक्रमों के लक्ष्य को निर्धारित समय–सीमा में अवश्य पूर्ण करें। उन्होने कहा कि संबंधित अधिकारी शासन के विकास प्राथमिकताओ/कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता कदापि ना बरती जाय। उन्होने कहा कि संबंधित विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यो की स्वयं समीक्षा करें एवं प्रगति में सुधार लायें। उन्होने निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि समयान्तर्गत परियोजनाओं को पूर्ण कर संबंधित विभाग को हस्तगत करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि अगर कही भूमि संबंधी विवाद हो तो उसे तत्काल अवगत कराया जाय।

खेत समतलीकरण के नाम पर 1.20 लाख का गबन.!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकास खंड की ग्राम पंचायत नरहरपुर में विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। खेत समतलीकरण के नाम पर फर्जी मस्टररोल तैयार कर 1 लाख 20 हजार रुपये की निकासी का आरोप ग्राम प्रधान उदयभान पर साबित हुआ है। जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना के निर्देश पर हुई जांच में यह खुलासा हुआ।

यह प्रकरण शिकायतकर्ता विजय कुमार श्रीवास्तव ने उठाया था, जो ग्राम भटपुरवा के निवासी हैं। उन्होंने 29 अक्टूबर को पंजीकृत डाक से जिलाधिकारी बस्ती को एक शपथ पत्र शिकायत भेजी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम पंचायत नरहरपुर में गाटा संख्या 158 पर खेत समतलीकरण के नाम पर फर्जी तरीके से सरकारी धन निकाला गया है, जबकि उस भूमि पर उनकी स्वयं की धान की फसल लगी हुई थी।

जिलाधिकारी के आदेश पर जांच अधिकारी डीसी मनरेगा की टीम ने

मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि खेत पर वास्तव में धान की फसल मौजूद थी और समतलीकरण कार्य का कोई भौतिक प्रमाण नहीं मिला। इस आधार पर शिकायत सही पाई गई।

वहीं, ग्राम प्रधान उदयभान ने फोन पर अपनी सफाई देते हुए कहा कि "फर्जी काम हर जगह हो रहा है।" उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने उनसे एक लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी और पैसे न देने पर शिकायत की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि प्रधान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पंचायत स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके।

मेरी छवि धूमिल करने का हो रहा है सुनियोजित षड़यंत्र–डा. इम्तियाज अहमद खान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नूर हास्पिटल दक्षिण दरवाजा के चिकित्सक इम्तियाज अहमद खान ने कहा है कि कुछ लोगों द्वारा उनकी छवि धूमिल करने का सुनियोजित षड़यंत्र किया जा रहा है। गुरूवार को पत्रकारों से बातचीत में इम्तियाज अहमद खान ने बताया कि उन्होने 1995 में कानपुर यूनिवर्सिटी से 1995 में बीयूएमएस किया और भारतीय चिकित्सा परिषद से निबन्धन प्रमाण पत्र प्राप्त है। वे इन डिग्रियों के आधार पर चिकित्सक के रूप में सेवायें दे रहे हैं।

डा. इम्तियाज अहमद खान ने डिग्रियों की प्रति दिखाते हुये कहा कि कुछ लोग बिना सत्यता को जाने उनके विरूद्ध लगातार झूठी शिकायत करने के साथ ही उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने के साथ ही उनकी छबि धूमिल कर रहे हैं। उन्होने विभागीय उच्चाधिकारियों को यथा स्थिति की जानकारी दे

–मानसिक रूप से किया जा रहा है परेशानः डाक्टर ने दिखायी डिग्रियां

दिया है। अनजान रंजिशों के कारण कुछ लोग अकारण उन्हें परेशान कर रहे हैं। डा. इम्तियाज अहमद खान ने कहा कि मनगढन्त अफवाहों को न रोका गया तो वे विधिक कार्यवाही को बाध्य होंगे। अस्पताल और मेरी गरिमा को धूमिल करने वाले कभी सफल नहीं होंगे। एक चिकित्सक के रूप में वे पूरी निष्ठा के साथ मरीजों को सेवायें देता रहूंगा।

दिल्ली आतंकी घटना के विरोध में कांग्रेस ने निकाला कैन्डिल मार्चः मृतकों को दिया श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के सामने हुए बम धमाके में मारे गए आम नागरिकों के दिवंगत आत्मा की शांति और आतंकवाद के खात्मे हेतु गुरूवार की शाम को कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। रोडवेज तिराहा स्थित शहीदे आजम भगत सिंह प्रतिमा के निकट कैन्डिल मार्च संक्षिप्त सभा के साथ सम्पन्न हुआ। कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं आम जनमानस इसमें शामिल हुए। सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि समर्पित किया। इस दौरान भीड़ ने आतंकवाद मुर्दाबाद और आतंकियों को गिरफ्तार करो के नारे लगाए।

कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि कायरतापूर्ण बम कांड का हम लोग घोर निंदा करते हैं। हम सब भारत सरकार से मांग करते हैं कि इस कायरतापूर्ण कार्य करने

–आतंकवादियों के विरूद्ध हो कड़ी कार्रवाई– विश्वनाथ चौधरी

वालों के खिलाफ जांच कमेटी बैठाते हुए इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। जिससे इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न होने पाए। कहा कि देश की राजधानी दिल्ली के लालकिले के पास आतंकवादियों ने जिस प्रकार से हमले का दुस्साहस किया उसने सुरक्षा तैयारियों की पोल खोल कर रख दिया है। जब राजधानी दिल्ली में ही लोग सुरक्षित नहीं हैं तो बाकी देश तो भगवान भरोसे है। कहा कि यह घटना सुरक्षा ऐजेन्सियों की चूक को भी दर्शाता है। मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

कैन्डिल मार्च में मुख्य रूप से साधु शरण आर्य, रफीक खान, शौकत अली नन्हू, राम बच्चन भारती, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, अलीम अख्तर ,विनय तिवारी, गुड्डू सोनकर ,राहुल चौधरी,राम धीरज चौधरी, शुभम, दूधनाथ, मनीष, इम्तियाज राईन,आनंद कुमार,लालजी शर्मा, मो अहमद, मो नसीम,अमित श्रीवास्तव, अमय पाठक,विश्वजीत, अनुज पाण्डेय, राकेश पाण्डेय 'गांधियन' के साथ ही कांग्रेस के अनेक नेता, पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

अनुदेशकों को दिया दो दिवसीय कौशल दक्षता संवर्धन प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जन शिक्षण संस्थान द्वारा प्रेस क्लब सभागार में दो दिवसीय कौशल दक्षता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार युवाओं को तकनीकी क्षेत्र में दक्ष बनाने के लिये अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है। प्रशिक्षण के द्वारा युवा स्वरोजगार के साथ ही नौकरियां हासिल कर रहे हैं। जन शिक्षण संस्थान द्वारा भी तकनीकी शिक्षा लेकर अनेक युवा विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उन्होने युवाओं का आवाहन किया कि वे तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर परिवार और देश के विकास में योगदान दें।

आई.टी.आई. प्रधानाचार्य गोविन्द कुमार ने प्रशिक्षार्थियों के को अनेक तकनीकी जानकारी देते हुये कहा कि अब युवाओं के पास विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर है। किसी भी क्षेत्र में दक्ष हो जाने के बाद अनेक कम्पनियां, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां युवाओं को अवसर दे रही है।

–प्रशिक्षण से मिल रहे हैं युवाओं को अवसर– अष्टभुजा शुक्ल

अनुदेशकों के कौशल संवर्धन और प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी देते हुये जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अजय कुमार उपाध्याय, अरूण कुमार शाही ने बताया कि बस्ती, अम्बेडकरनगर के अनुदेशकों ने दो दिवसीय प्रशिक्षण 12 और 13 नवम्बर को प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उद्योग विभाग के पर्यवेक्षक मारूति नन्दन, आर.सी.टी. प्रबंधक मृत्युजय कुमार मिश्र ने अनुदेशकों को विभिन्न क्षेत्रों की विस्तार से जानकारी दिया। मुख्य रूप से अभय, रामानन्द नन्हें, सुनील, अरूण, रेनू, अर्चना, चेतन सक्सेना के साथ ही अनुदेशक उपस्थित रहे।

इलाज के दौरान नवजात बालिका की मौत, डाक्टर पर लापरवाही का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती शहर के निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर मनमानी धन उगाही, मरीज के मर जाने पर भी वसूली की घटनायें लगातार बढती जा रही है। इसी प्रकार का एक और मामला बटेला चौराहा के निकट स्थित राजेन्द्रा हास्पिटल का सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के जिगना निवासी विजय कुमार पुत्र कुश प्रकाश ने गुरूवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर राजेन्द्रा हास्पिटल में उसकी नवजात बेटी का डाक्टर की लापरवाही के कारण मौत का आरोप लगाते हुये समूचे मामले की जांच, हास्पिटल के संचालक और डाक्टर के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में विजय कुमार ने कहा है कि 26 अक्टूबर 2025 को कैली अस्पताल में नार्मल डिलीवरी से बच्ची पैदा हुई जिसको गन्दा पानी की वजह से कैली अस्पताल द्वारा रेफर कर दिया गया जिसे उसने के०डी० अस्पताल जिगना में भर्ती कराया वहां पर स्वास्थ्य

–राजेन्द्रा हास्पिटल के संचालक, डाक्टर के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–बेटी का शव देने के लिये मांग रहे थे रूपया, पुलिस के पहुंचने पर मिला शव

ठीक न होने के कारण वह बच्चे को लेकर राजेन्द्रा हास्पिटल बटेला चौराहा में भर्ती कराया। लगभग 15 दिनों तक स्थिति सामान्य रही इसके बाद 9.नवम्बर की रात्रि लगभग 2.30 बजे सूचना दी गयी कि आपकी बच्ची की मृत्यु हो गयी हैं। डाक्टर ललित द्वारा किसी भी परिवार के व्यक्ति से मिलने नही दिया गया। पिछले तीन दिन से बच्चे के शव की की मांग की गयी तो हास्पिटल के डाक्टर द्वारा 45000 रूपये की मांग की गयी कि इतना रुपया दो तो मृतक बच्चे को देखने देगें और उसके बाद सुपुर्द कर देगें।

इसके बाद विजय कुमार ने मजबूर होकर 112 पर सूचना दी। और मौके पर पुलिस आयी तो मृतक बच्चे को सुपुर्द कराया। इससे पहले भी हास्पिटल के संचालक द्वारा 1,45,000 रूपये की मांग किया गया तब उसने कहा कि इतना रुपया कहा से लाकर दें इतना कहने पर संचालक व डाक्टर द्वारा गाली गुप्ता दी गयी और वहां से उसको भगा दिया गया।

पत्र में विजय कुमार ने कहा है कि बच्ची की मौत डाक्टर की लापरवाही के कारण हुआ है। इसी कारण उसे तीन दिनों तक भ्रमित किया और बच्ची की मरने की सूचना बाद में दी गयी। उसने राजेन्द्रा हास्पिटल के संचालक व डाक्टर के विरूद्ध एफ०आई०आर० दर्ज कराने की मांग किया है।

मखौड़ा संदेश के स्थापना दिवस पर पत्रकारिता के सरोकारों पर विमर्श, विभूतियां सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी दैनिक अखबार 'मखौड़ा संदेश' का पांचवां स्थापना दिवस को प्रेस क्लब सभागार में मनाया गया। वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चंद्र पाण्डेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकार के साथ न ही समाज है और न ही सरकार, ऐसे में अखबारों का प्रकाशन अत्यंत कठिन है। इसके लिए प्रकाशकों को स्थानीय स्तर पर स्थानीय खबरों पर विशेष ध्यान देना होगा।

कार्यक्रम को पत्रकार कृष्ण देव मिश्र, प्रेस क्लब महामंत्री महेंद्र तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में समाचार पत्रों को प्रकाशित करना आसान नहीं है, ऐसे में मखौड़ा संदेश का प्रकाशन होना वास्तव में साहसिक कार्य है। समाचार पत्र के प्रकाशक और सम्पादक को बधाई देना चाहिए। मशहूर कवि डॉ० रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने विस्तार से वर्तमान समय में पत्रकारिता के संकट पर चर्चा किया। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजाराम यादव ने शुभकामना देते हुए कहा कि पत्रकार समाज का प्रमुख अंग है, वह समाज को नई दिशा देता है। आए हुए अतिथियों ने मखौड़ा संदेश के प्रधान संपादक माता प्रसाद पाण्डेय तथा समाचार संपादक विकास

पाण्डेय को बधाई दिया और ऐसे ही निरंतर गरीबों और शोषितों की आवाज बनकर अपनी जिम्मेदारी निभाने को प्रेरित किया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी ने कहा कि अखबार कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। हर अखबार की पहचान उसके निष्पक्ष खबरों ओर जनहित मुद्दों को उठाने से बढ़ती है। पत्रकार को हमेशा निष्पक्ष और निर्विवाद रहना चाहिए। विवेक मिश्र ने कहा कि चार वर्षों में मखौड़ा संदेश जिस मुकाम पर पहुंचा है वह सराहनीय है और बधाई का पात्र है। आगे भी ऐसे ही जनहित और समाज हित के लिए यह अखबार कार्य करता रहे। इस मौके पर दिलीप पाण्डेय, हरि कृष्ण त्रिपाठी,समीर चौधरी,जीत बहादुर सिंह,आनंद चौधरी,वी०के० तिवारी,साहिल,अशोक कुमार पाण्डेय,रामजीत पाण्डेय, रामकुमार पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, निखिल पाण्डेय, दीपक पाल, रामकिशन मौर्य, नक्षत्र बलि पाण्डेय, कपिल देव, डॉ० वी० के० वर्मा , रजनीश त्रिपाठी, राकेश गिरी, अरुणेश श्रीवास्तव, दिनेश पाण्डेय, अनुराग श्रीवास्तव, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश शर्मा, अमित सिंह,रमेश चंद्र मिश्र,संदीप शुक्ल,सुभाष चंद्र पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव,राकेश तिवारी, राजेंद्र उपाध्याय, सर्वेश श्रीवास्तव, दिलीप चंद्र पाण्डेय, राकेश चंद्र श्रीवास्तव, ब्रह्मदेव पाण्डेय, इमरान अली, राघवेंद्र मिश्र, वसीम अहमद, सुरेश सिंह गौतम, संतोष श्रीवास्तव, पारसनाथ मौर्य, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, कार्तिकेय उपाध्याय, शाहरुल हक, सुभाष पाण्डेय सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शक्ति शरण उपाध्याय ने अहम भूमिका निभाई, कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार उपाध्याय ने किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 नवम्बर 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

रफ्तार और मौतें

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वतरू संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ।

लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह–जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकुरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच–पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

जनतंत्र की गरिमा बचाने की चुनौती

—विश्वनाथ सचदेव—

बिहार के चुनाव परिणाम पर 'रेवड़ी' का क्या और कितना असर पड़ता है यह तो मतपत्रों की गणना के बाद ही पता चलेगा, पर यह एक खुला रहस्य है कि हमारे राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि देश का मतदाता रेवड़ियों से रिझाया जा सकता है। देखा जाये तो एक तरह से यह देश के मतदाता का अपमान ही है कि उसके बारे में ऐसी धारणा बन रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक बन गयी है, अर्से से हमारे राजनीतिक दल इस रेवड़ी–संस्कृति का सहारा लेकर चुनाव जीतने का प्रयास करते रहे हैं। शुरुआती दौर में यह काम चोरी–छिपे ढंग से होता था। मतदान से पहले की रात को न जाने क्या–क्या बंटता था मतदाताओं के बीच। अब भी ऐसा होता है, पर अब और भी रास्ते अपना लिये गये हैं, मतदाताओं को 'खरीदने' केदृ उदाहरण के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर बिहार के 'सुशासन बाबू' ने राज्य की लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस–दस हजार रुपये नकद बांट दिये। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी ऐसे प्रयोग हो चुके हैं। यही सब देखते हुए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या खैरात बांटकर चुनाव जीते जा सकते हैं? भले ही कुछ राजनीतिक–विश्लेषक यह कहते रहें कि ऐसा नहीं हो सकता, पर इस धारणा से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे राजनेता यही मानते हैं कि खैरात काम आती है। अब तो हमारे सत्ताशीर्ष भी यह मान चुके लगते हैं कि चुनाव के अवसर पर रेवड़ियां बांटना गलत नहीं है!

बात सिर्फ रेवड़ी–संस्कृति तक सीमित नहीं है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह जाति और धर्म का सहारा लिया जा रहा है, वह एक तरह से हमारे लोकतंत्र का मजाक उड़ाना ही है। जातियों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और धर्म की दुहाई देकर मतदाता को भ्रमित करने की कोशिशें बिहार के इस चुनाव प्रचार में लगातार हुई हैं। यहीं यह बात भी गौर करने लायक है कि चुनाव में ठोस मुद्दे उठाने के बजाय किसी 'जंगल राज' और वोटों की कथित 'चोरी' जैसी बातों का सहारा लेना राजनीतिक दलों को कहीं अधिक उपयोगी लगा है।

सत्तारूढ़ पक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपनी उपलब्धियों को आधार बनाकर मतदाता के समक्ष वोट मांगने जायेगा। पर देखा यह गया है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की बीस साल की पुरानी सरकार के 'जंगल–राज' का डर दिखाकर वोट पाने की उम्मीद कर रहा है। यह मान भी लें कि लालू–राबड़ी की सरकार का कथित जंगल–राज बहुत बुरा था, तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि आज की युवा पीढ़ी को दो दशक पुराने उस अनुभव के आधार पर कोई निर्णय लेने के लिए कैसे कहा जा सकता है? विपक्ष से यदि कोई सवाल किया जाता है तो वह यह होना चाहिए कि उसके पास शासन का बेहतर विकल्प क्या है? यह मतदाता का अपमान नहीं तो और क्या है कि बिहार की वर्तमान सरकार की दस हजार रुपये की 'रिश्वत' के मुकाबले में विपक्ष तीस हजार रुपये नकद देने का प्रलोभन दे रहा है?

चुनाव जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव होते हैं। रेवड़ियों, रिश्वत और घिसे–पिटे आरोपों के सहारे चुनाव जीतने की कल्पना ही इस उत्सव की गरिमा, महत्ता और पवित्रता को नष्ट कर देती है। यह सचमुच हैरानी की बात है कि नीतियों और नीयत के बजाय समाज को बांटने वाले नारों को चुनाव जीतने का आधार बनाया जाता है।

चुनाव का परिणाम क्या होगा यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि सुदृढ़ जनतंत्र की दुहाई देने वाले देश में घटिया मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ा जाना अपने आप में किसी शर्म से कम नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष के पास सबसे बड़ा मुद्दा बीस साल पुरानी सरकार की कथित विफलता थी और विपक्ष ने भी ठोस वैकल्पिक नीतियों को सामने रखने के बजाय 'वोट चोरी' जैसे कमजोर मुद्दे को अपना हथियार बनाया। विपक्ष ने बेरोजगारी जैसे जरूरी मुद्दे को उठाया अवश्य, पर मतदाता में यह विश्वास नहीं जगा पाया कि वह बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था दे सकता है। इसी तरह सत्तारूढ़ पक्ष का 'घुसपैठियों' वाला मुद्दा भी बहुत ज्यादा कारगर नहीं लगा। वह इस सवाल का जवाब देने में भी विफल रहा कि उसके इक्कीस साल के शासन में वह घुसपैठियों को देश से निकाल क्यों नहीं पाया? इससे भी अधिक महत्वपूर्ण सवाल तो यह है कि इतने सारे घुसपैठिये देश में आ कैसे गये? इस सवाल का जवाब देश के गृहमंत्री को देना था, पर उनके पास जवाब था ही नहीं! हैरानी की बात तो यह है कि विपक्ष भी उस मजबूती के साथ इस सवाल को नहीं उठा पाया, जो इस मुद्दे का लाभ उठाने के लिए जरूरी थी।

चुनाव–परिणाम भले ही कुछ भी हों, लेकिन सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने चुनाव–प्रचार के दौरान कुल मिलाकर घटिया रण–नीति का ही परिचय दिया है। जनतंत्र की सफलता का तकाजा है कि स्वस्थ राजनीति की संभावनाओं को साकार बनाने की दिशा में कुछ ठोस सोचा जाये, कुछ ठोस किया जाये। यह दुर्भाग्य ही है कि 'ठोस' के नाम पर हमारे पास घटिया शब्दावली, घटिया नारे और घटिया तौर–तरीके हैं।

बात सिर्फ बिहार के इन चुनावों तक ही सीमित नहीं है। हमारी राजनीति में सब जगह यह गिरावट आई है। एक तरह की गुरिल्ला शैली अपना ली है राजनेताओं नेदृ झपट्टा मार कर कहीं निकल जाओ वाली शैली। कुछ भी कह कर, कुछ भी कर के उसे भुला देना इस शैली की विशेषता है। मान लिया गया है कि मतदाता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। यह स्थिति बदलनी चाहिए। राजनेताओं की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए कि जुमलों के सहारे चुनाव जीता जा सकता है। राजनेताओं को यह अहसास कराया ही जाना चाहिए कि जनता को अपनी मुट्ठी में समझने की उनकी प्रवृत्ति देश के जागरूक मतदाता को स्वीकार नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों–मर्यादाओं का तकाजा है कि नेता अपनी सीमाएं समझें और जनता अपनी शक्ति को पहचाने। यह चिंता की बात है कि स्वस्थ राजनीति की जगह घटिया जुमलों वाली बीमार राजनीति पर हावी होती जा रही है। मान लिया गया है कि युद्ध और प्यार की तरह राजनीति में भी सब कुछ जायज है। चुनाव–दर–चुनाव यह स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। राजनेताओं के इस विश्वास के खोखलेपन को उजागर करना ही होगा कि वे जो कहेंगे–करेंगे जनता उसे स्वीकार कर लेगी।

सतत जागरूकता जनतंत्र के बने रहने की सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी शर्त है। हमारी राजनीति के झंडाबरदार इस शर्त को झुठलाने पर लगे हैं। बिहार के इस चुनाव–प्रचार के दौरान राजनीतिक घटियापन का एक कीर्तिमान ही स्थापित हुआ है। चुनाव–परिणाम चाहे कुछ भी हों, इस बात की चिंता तो देश के जागरूक नागरिक को करनी ही होगी कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है इस गिरावट को रोकना ही होगा।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुप्रीम टिप्पणी

—डॉ. आशीष वशिष्ठ—

देश भर में नेशनल हाईवे व शहर के अंदर व आउटर में संचालित होटलों, ढाबों के किनारे भारी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रोड पर जहां–तहां वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। सड़क किनारे खड़े ऐसे वाहन अन्य वाहन चालकों और यात्रियों के लिए यमदूत साबित हो रहे हैं। बीती 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फालोदी और तेलंगाना के श्रीकाकुलम के सड़क हादसों में 37 लोगों की मौत पर सुओ मोटो कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा की गंभीर खामियों पर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान हाईवे के किनारे अवैध ढाबों पर भी चिंता जताई। कहा कि इन ढाबों पर आने वालों की गाड़ियां हाईवे पर खड़ी रहती हैं, जिनसे हादसे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सड़क किनारे मौजूद ढाबों और सड़क मेंटेनेंस की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस जे.के. महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर एक सर्वे कराया जाए, जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे ऐसे क्षेत्रों में बनाए गए हैं जो इस तरह की सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं है यानी अवैध ढाबों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। यातायात के नियमों के मुताबिक, हाईवे के किनारे सड़क पर ट्रक व अन्य वाहन खड़े नहीं किए जा सकते हैं।

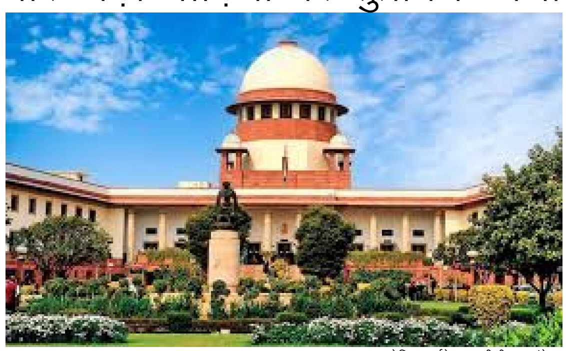

शीर्ष न्यायालय की टिप्पणी के आलोक में बात की जाए तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। जिम्मेदार विभाग और सरकार की चतुराई यह होती है कि वह समस्या के मूल में जाने की बजाय जांच और फौरी कार्रवाई में लग जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। हर हादसे के बाद पुरानी तंत्र पुरानी स्क्रिप्ट को दोहराता है।

आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं।

एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अक्सर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है।

भारत में सड़क हादसे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, जहां हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जान जाती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 4,80,583 से अधिक दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,72,890 से अधिक मौतें हुईं और 4,62,825 लोग घायल हुए। देश में प्रतिदिन लगभग 1,316 हादसे और 474 मौतें होती हैं, यानी हर घंटे लगभग 20 जानें जाती हैं। दुनिया के केवल 1 प्रतिशत वाहन भारत में हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली वैश्विक मौतों का 11 प्रतिशत हिस्सा यहीं है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह–जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकुरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगाई जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है?

सबसे ज्यादा बड़े वाहन ढाबों पर खड़े नजर आते हैं। रात व दिन में यहां वाहन एक के पीछे एक खड़े रहते हैं। रात के समय तो आलम और भी भयंकर होता है, यहां से निकलने में भी डर बना रहता है। नियमित चेकिंग न होने और चालान न होने की वजह से यहां हादसे का डर बना रहता है। छुटपुट मामले तो आये दिन होते रहते हैं।बरसात के मौसम में इन ढाबों के पास हादसे की अधिक आशंका रहती है। ट्रक मिट्टी में खड़े होकर हाईवे पर आते हैं तो मिट्टी सड़क पर जमा हो जाती है। बरसात में इस मिट्टी से फिसलकर बाइक सवार हादसे का शिकार हो जाते हैं। इस के अलावा कई बार ट्रकों या अन्य लोडिंग वाहनों में उनकी क्षमता से अधिक माल भरा होता है। मुख्यता लोहे के सरिये, गर्डर आदि जो लोडिंग की लंबाई में न आते हुए पीछे तक निकले रहते हैं। इस तरह के वाहन भी हादसों का कारण बनते हैं।

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से लाखों रुपये रुपये प्रचार–प्रसार पर बहाया जाता है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा के नियम निर्देश कहीं भी धरातल पर देखने को नहीं मिलते हैं। गोष्ठियों और सेमिनारों में तो वाहन चालकों को नियमों का पाठ पढ़ाया जा जाता है लेकिन हाईवे ट्रक, डीसीएम, कंटेनर या अन्य वाहन चालकों को समझाने वाला कोई नहीं है। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच–पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों व भारी वाहनों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। भारत में हर साल हजारों सड़क हादसे होते हैं. ज्यादातर में लापरवाही जिम्मेदार होती है। सुप्रीम कोर्ट का ये कदम सरकार और अधिकारियों पर दबाव डालेगा। इससे हाईवे सुरक्षित होंगे, ढाबे नियंत्रित जगह पर चलेंगे और ट्रक पार्किंग के लिए अलग जगह बनेगी। आम जनता की जान बचाने के लिए ये बड़ा फैसला साबित हो सकता है।

डिजिटल गिरफ्तारी के खतरे

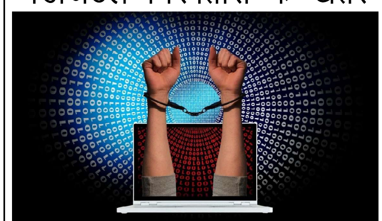

—दिव्यांशी भदौरिया—

हाल ही में चौकानें वाला मामला मुंबई से आया है। आजकल साइबर फ्रॉड के मामले खूब आ रहे है। ठगाई करनो वाले लोगों को ठगने के लिए नए–नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में डिजिटल अरेस्ट स्कैम के मामले में काफी सामने आ रहे हैं। दक्षिण मुंबई के 60 साल के एक व्यवसायी को ठगों ने कानून व्यवस्था के बड़े अफसर बनकर पूरी रात वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट में रखा और 53 लाख रुपये ठग किए।

क्या है डिजिटल अरेस्ट?

'डिजिटल अरेस्ट' एक नई तरह की ऑनलाइन ठगी है, जिसमें साइबर अपराधी खुद को पुलिस, ब्ठप् या किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर किसी व्यक्ति को डराते हैं। वे फर्जी वीडियो कॉल या दस्तावेज दिखाकर कहते हैं कि व्यक्ति किसी अपराध में शामिल है और उसकी गिरफ्तारी डिजिटल तरीके से की जा रही है। इसके बाद वे पैसे, जुर्माना या बैंक डिटेल्स मांगते हैं। असल में यह पूरी तरह धोखाधड़ी होती है। डिजिटल अरेस्ट का मकसद लोगों को डराकर उनसे पैसे वसूलना होता है। इससे बचने के लिए किसी अजनबी कॉल या लिंक पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

जानिए पूरा मामला?

पीड़ित व्यक्ति मुंबई के अग्निपाड़ा इलाके रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, 2 नवंबर को एक अनजान नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) का अफसर बताया। व्यक्ति ने आपना नाम राजीव सिन्हा बताया है और बोला कि– आपके नाम पर लिए गए सिम कार्ड से फ्रॉड हुआ है, इसलिए आपको 2 घंटे में दिल्ली पुलिस के सामने पेश होना होगा। जिसके बाद व्यापारी ने कहा, वह दिल्ली नहीं जा सकते, तो कॉलर ने कहा कि उसके खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज है, तो अब आपको दिल्ली पुलिस ही उससे बात करेगी।

फिर शुरु डिजिटल अरेस्ट का खेल

थोड़े समय बाद पीड़ित का एक वीडियो कॉल आया है। जिसने पीड़ित को दिल्ली पुलिस का अफसर विजय खन्न बताया। उसने कहा कि व्यवसायी का नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल है और उसके आधार कार्ड से फर्जी बैंक अकाउंट ओपन किया गया है। जिसके बाद फ्रॉड करने वाले ने वीडियो कॉल पर अलग–अलग सीनियर अफसरों से बात कराई, इसके साथ ही एंटी करप्शन ब्रांच, इंस्पेक्शन डिपार्टमेंट और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के फर्जी लेटरहेड दिखाए गए। आरोपियों ने पूरी रात व्यापारी को कॉल पर रखा। जिसके बाद उन्होंने उससे प्रॉपर्टी, सेविंग्स और बैंक अकाउंट की जानकारी मांगी।

फर्जी ऑनलाइन कोर्ट हियरिंग हुई

इसके अगले दिन फ्रॉड करने वालों ने एक फर्जी ऑनलाइन कोर्ट हियरिंग करवाई। जिसके बाद कोर्ट ने उसको बोला कि बेल नहीं मिलेगी और आपके सारे बैंक अकाउंट फ्रीज हो जाएंगे। फिर पीड़ित से कहा कि वह अपने पैसे सरकार द्वारा बताए गए एक नेशनलाइज्ड बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करे। डर के कारण 53 लाख रुपये उस अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए।

कब पता चला?

इसके बाद ठगों ने पीड़ित से और पैसे मांगे, तब उसे शक हुआ। टॉयलेट जाने के बहाने से वह कमरे से बाहर चला गया और साइबर हेल्पलाइन की मदद से 1930 पर कॉल किया। फिर उसने सेंट्रल रीजन साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी सरकारी एजेंसी या पुलिस की असली कॉल या कभी वीडियो कॉल नहीं आती है। जब कोई आपसे कहे आपके नाम पर केस है, तो तुरंत 1930 या 112 पर शिकायत करें। फर्जी दस्तावेज और कोर्ट नोटिस पर ध्यान न दें, इसलिए आधिकारिक वेबसाइट की जांच करें। किसी भी अनजान खाते में पैसों को ट्रांसफर न करें।

सड़क हादसे में मामा–भांजे की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में मामा–भांजे की मौत हो गई। बुधवार देर रात तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सड़क किनारे लगे ट्री–गार्ड से टकरा गई। दोनों बाइक सवार उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। इस पुरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जानकारी के अनुसार, घटना पाठक पुस्तक भंडार के सामने की है। दोनों बुद्ध नगरी मंदिर रोड से मेन गेट की तरफ जा रहे थे। जहां अनियंत्रित बाइक ट्री–गार्ड से टकराई। दोनों बाइक सवार पेड़ से टकराकर सड़क किनारे दूर जा गिरे। हादसे में घायल दोनों युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सत्येंद्र प्रसाद (26) पुत्र रामलाल, ग्राम कुशल टोला भीसवां जिला देवरिया के निवासी के रूप में हुई है। दूसरे मृतक मौसम (25) पुत्र बृजेश प्रसाद, ग्राम विशंभरपुर थाना कसया, कुशीनगर के रहने वाले थे।

पूछताछ में पता चला कि मृतक सत्येंद्र प्रसाद की आज बिरला धर्म शाला कुशीनगर में सगाई होनी थी। वह अपने दो भाइयों में सबसे छोटे थे। परिवार सहित सभी रिश्तेदार सगाई की तैयारियों में जुटे हुए थे और घर पर सत्येंद्र का इंतजार हो रहा था। जैसे ही हादसे में सत्येंद्र की मौत की सूचना मिली, घर में कोहराम मच गया। परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सत्येंद्र की मां बार–बार बेहोश हो रही थीं और होश आने पर श्बाबू का कल सगाई बा बोला द लोगश कहकर बेसुध हो गई। वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। इस घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। मृतक मौसम अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था और कुशीनगर में एक निजी कैफे में काम करता था। उसकी शादी पांच महीने पहले ही हुई थी।

मौसम की पत्नी गुजरात के अहमदाबाद में रहती है। वह दो दिन पहले ही अहमदाबाद से अपनी पत्नी से मिलकर कुशीनगर लौटा था। इस घटना से परिवार में गहरा शोक है। वहीं आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। कुशीनगर हाईवे चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को कसया सीएचसी पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची कुशीनगर चौकी पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को कसया सीएचसी भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया।

घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं ने साझा की समस्याएं, डीएम ने दिया निस्तारण का आदेश

संवाददाता–महराजगंज। जिला प्रशासन की ओर से हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व अधिकार के लिए आयोजित कार्यक्रम में घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं ने अपनी समस्याएं साझा कीं। डीएम ने समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने घरेलू हिंसा, आर्थिक प्रताड़ना, पारिवारिक विवाद, संपत्ति से वंचित किए जाने जैसी अनेक समस्याओं को विस्तार से डीएम संतोष कुमार शर्मा के समक्ष रखा। हर प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों महिला कल्याण, पुलिस, समाज कल्याण व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने आवश्यकतानुसार महिलाओं को निःशुल्क विधिक परामर्श उपलब्ध कराने का निर्देश जिला प्रोबेशन अधिकारी को दिया। कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोई भी महिला यदि हिंसा या उत्पीड़न का शिकार होती है, तो उसे हर संभव कानूनी व आर्थिक सहायता त्वरित रूप से प्रदान की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पीड़ित महिलाओं के मामलों का निस्तारण समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से किया जाए। साथ ही उनकी गोपनीयता और गरिमा का भी पूर्ण ध्यान रखा जाए। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में आई विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं से संवाद किया। छात्राओं ने जिलाधिकारी से विशेष रूप से सिविल परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में सुझाव मांगें। सुझाव मिला कि बच्चियां अपना लक्ष्य अपनी रुचि के अनुसार निर्धारित करें। छात्राओं से कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। कहा कि सरकार अब गांवों में भी डिजिटल लाइब्रेरी शुरू कर रही है, जहां विद्यार्थियों को ऑनलाइन के साथ–साथ ऑफलाइन भी प्रतियोगी परीक्षाओं की स्तरीय पुस्तकें उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी कन्हैया यादव, सीओ सदर जेपी त्रिपाठी सहित घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं और विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

पैसे मांगने पर दुकानदार को मारी गोली

संवाददाता–देवरिया। सदर कोतवाली क्षेत्र के सीसी रोड स्थित चटनी गढ़ही इलाके में उस समय दहशत फैल गई, जब एक मोबाइल दुकानदार को मरम्मत के पैसे मांगने पर गोली मार दी गई। गोली दुकानदार की कमर और हाथ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को देवरिया मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। गोलीबारी की यह वारदात इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। घायल दुकानदार के छोटे भाई पंकज चौरसिया की तहरीर पर पुलिस ने आशीष पांडे पुत्र सत्यानंद पांडे निवासी रामनाथ देवरिया, बृजेश गोस्वामी, अमन गिरी, आलोक राजभर, सज्जाद अली सहित तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धारा 191(2), 191(3), 109(1), 308(2) बीएनएस (हत्या के प्रयास) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं, लेकिन उनकी पहचान की पुष्टि हो चुकी है। उन्हें पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी आशीष पांडे एक शातिर अपराधी है, जो पहले भी कई गंभीर मामलों में जेल जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्ष उसने अमन गिरी के साथ मिलकर दो लाख रुपये की सुपारी लेकर नेहार सिंह की हत्या कराई थी। इसके अलावा, कुछ महीने पहले गोरखपुर में हुई हवाई फायरिंग के मामले में भी वह जेल जा चुका है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि आशीष पांडे और उसके साथियों का एक छोटा गैंग सक्रिय है, जो देवरिया और गोरखपुर के बीच गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहता है। पुलिस इस गैंग के नेटवर्क को तोड़ने में जुटी है। दुकानदार राहुल चौरसिया (29 वर्ष) पुत्र विजय चौरसिया निवासी देवरिया खास टोला की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान सोहर के चटनी गढ़ही रोड के पास है। बुधवार शाम करीब 6 बजे देवरिया के दो युवक मोबाइल बनवाने के लिए दुकान पर पहुंचे। मरम्मत पूरी होने के बाद जब वे जाने लगे तो राहुल ने उनसे भुगतान मांगा। इसी बात पर विवाद हो गया। दोनों युवकों ने गाली–गलौज शुरू कर दी। जब राहुल ने विरोध किया तो उनमें से एक युवक ने कमर से असलहा निकालकर फायर कर दिया। गोली राहुल की बाईं कलाई से होकर पेट में जा लगी। गोली लगते ही राहुल जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने बताया कि राहुल को बाएं हाथ की कलाई और पेट में गोली लगी है। गंभीर रक्तस्राव होने के कारण उसकी हालत नाजुक थी, इसलिए उसे बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। फिलहाल राहुल वहीं उपचाराधीन है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी स्थिति अब स्थिर है, हालांकि निगरानी लगातार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी, सदर कोतवाल विनोद कुमार सिंह, फॉरेंसिक टीम और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना कपड़ा और एक खाली कारतूस बरामद किया। सीओ नगर संजय रेड्डी ने बताया– घटना में प्रयुक्त असलहा की पहचान की जा रही है। पीड़ित सुरक्षित है और उसका बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दे रही है। मामले की हर पहलू से जांच जारी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि हमलावरों के भागने के रास्ते और संभावित ठिकानों का पता लगाया जा सके। गोलीकांड के बाद देवरिया शहर के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिला। व्यापारियों का कहना है कि अपराधियों के बढ़ते हौसले से आम आदमी असुरक्षित महसूस कर रहा है। व्यापार मंडल ने मांग की है कि पुलिस रात में गश्त बढ़ाए, अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी करे और चटनी गढ़ही क्षेत्र में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए। स्थानीय निवासी अनिल ने कहा– राहुल मेहनती युवक है, उसकी दुकान पर रोज दर्जनों लोग आते हैं। अगर ऐसी वारदात दिनदहाड़े हो सकती है तो सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

पुलिस ने सिसवा में चलाया जागरूकता अभियान, छात्राओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण पर किया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। गुरुवार को कोठीभार पुलिस ने सिसवा नगरपालिका के बरवा द्वारिका स्थित एक निजी विद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं को महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के बारे में विस्तृत जानकारी देना था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सशक्त बनाना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। इसके अतिरिक्त, उन्हें साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में भी बताया गया। अभियान के दौरान छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी–वन स्टॉप सेंटर, पॉस्को एक्ट और मिशन शक्ति से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

साथ ही, बाल विवाह, दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी जागरूकता फैलाई गई। इस दौरान पंपलेट वितरित किए गए और 1090, 1076, 181, 112, 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया गया। इस जागरूकता अभियान में उपनिरीक्षक योगेंद्र तिवारी, महिला उपनिरीक्षक लकी पटेल, नेहा कुमारी, हेड कॉन्स्टेबल पंकज यादव और दिनेश यादव शामिल रहे।

जमीनी विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या, खेत में बुआई को लेकर हुई झड़प, मां–बहन घायल, दो गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बहिराबारी गांव में गुरुवार सुबह जमीन के पुराने विवाद ने खूनी रूप ले लिया। सुबह करीब 10 बजे कहासुनी के बीच चाकू चल गया। 19 वर्षीय राजकिशोर की सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। घायल अवस्था में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तमकुहीराज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक राजकिशोर बहिराबारी गांव निवासी राजकोकिल का सबसे बड़ा बेटा था। परिवार का कहना है कि गांव के ही कुछ लोगों से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

गुरुवार को राजकिशोर खेत की बुआई को लेकर बात कर रहा था, तभी विपक्षियों से कहासुनी हो गई। बात बढ़ी तो विपक्षियों ने बाहर से बुलाए अपने साथियों के साथ राजकिशोर पर हमला कर दिया। चाकू लगते ही वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मारपीट में मृतक की माँ रीना देवी और बहन नीतू भी घायल हुईं। दोनों का इलाज चल रहा है। घर में मातम पसरा है। परिवार के लोगों का कहना है कि राजकिशोर घर का कमाऊ सदस्य था और कुछ दिन पहले ही बाहर से लौटा था।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ तमकुहीराज राकेश प्रताप सिंह और चौकी प्रभारी महेश मिश्र मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।सीओ राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि "घटना गंभीर है।

तमकुहीराज पुलिस को आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।" ग्रामीणों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच विवाद पहले भी कई बार उठा था, लेकिन इसकी शिकायत पुलिस तक नहीं पहुँची थी। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मृतक के पिता राजकोकिल ने बताया कि जमीनी विवाद समाप्त हो गया था। राजकिशोर मेरा बड़ा लड़का है, बाहर रहता है, वह घर आया था, विवाद समाप्त होने पर लड़का खेत की बुआई की बात कह रहा था। इसी बात से नाराज विपक्षियों ने बाहर से बुलाये अपने साथियों के साथ चाकू मार कर हत्या कर दी।

वृद्ध दंपत्ति के घर लाखों की चोरी

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के पुरैना गांव में पुलिस पिकेट से कुछ ही दूरी पर स्थित एक वृद्ध दंपत्ति के घर चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब दंपत्ति दिल्ली से इलाज कराकर गुरुवार को घर लौटे। फिलहाल, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पुरैना निवासी रामनाथ दुबे और उनकी पत्नी नगीना देवी इलाज के लिए अपने बेटों नितेश और नीरज द्विवेदी के पास दिल्ली गए थे। रामनाथ की तबीयत खराब थी, जिसके चलते वे कुछ दिनों पहले दिल्ली गए थे। गुरुवार को जब वे घर पहुंचे और ताला खोला, तो भीतर का नजारा देखकर हैरान रह गए। चोर आंगन की छड़ काटकर घर में घुसे थे और अंदर का सारा सामान अस्त–व्यस्त पड़ा था। बेड, अलमारी और संदूक तोड़े मिले, जबकि घर से दो गैस सिलेंडर, इन्वर्टर बैटरी, यूपीएस, पानी की मोटर, सोने की चेन, बिछिया और नगदी गायब थे।

कब्जा दिलाने पहुंचे कोर्ट अमीन, ब्लाक गेट पर लगा मिला ताला

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा ब्लाक परिसर में विवादित भूमि पर डिग्रीधारकों को कब्जा दिलाने का मामला लगातार गरमाया हुआ है। गुरुवार को दूसरी बार कोर्ट अमीन मौके पर जेसीबी लेकर डिग्रीधारक को कब्जा दिलाने पहुंचे। लेकिन इससे पहले ही ब्लाक परिसर के प्रवेश गेट पर ताला बंद कर दिया था। लोग पैदल ही परिसर में आ–जा रहे थे। इस दौरान ब्लाक प्रमुख व बीडीओ के साथ कोर्ट अमीन की बातचीत हुई। कोर्ट से आए लोगों ने कार्यवाही शुरू करनी चाही, लेकिन जेसीबी लगाकर कब्जा हटाने की मंशा दूसरी बार भी पूरी नहीं हो सकी। मौके पर मौजूद ब्लाक प्रमुख वेद प्रकाश शुक्ला, खंड विकास अधिकारी व डिग्रीधारक के बीच कुछ देर वार्ता हुई।

बताया जा रहा है कि इसमें तय किया गया कि मौके पर खड़ी बिल्डिंग को छोड़ कर सीमांकन करते हुए खाली जमीन पर कब्जा कर लिया जाय। लेकिन कोई भी निर्माण किसी पक्ष के द्वारा नहीं किया जाएगा। इस संबंध में ब्लाक प्रमुख वेदप्रकाश शुक्ल ने बताया कि मौके पर जो भवन है, उसमें सरकारी योजनाएं संचालित होती हैं। उसके टूटने से सरकार का नुकसान होगा। भवनों को बचाने के लिए खंड विकास अधिकारी द्वारा भी 3 नवंबर को कोर्ट में याचिका दायर कर अपना पक्ष रखा गया है। कोर्ट का जो फैसला होगा, उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी राहुल सागर ने बताया कि भीड़भाड़ को देखते हुए गेट में ताला बंद कराया गया था। इसे थोड़ी देर बाद खुलवा दिया गया। कब्जा दिलाने आये लोगों ने अपना सीमांकन आदि कर लिया है। कोर्ट अमीन अरविंद कुमार मिश्रा ने बताया कि कोर्ट की पूर्व अनुमति से जेसीबी द्वारा कब्जा दिलाना था। लेकिन गेट में ताला बंद होने के कारण जेसीबी अंदर नहीं जा सकी। मौके पर विवाद को देखते हुए सक्षम मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कब्जे की कार्रवाई के लिए अनुरोध किया जाएगा। आगे उनके आदेशानुसार कार्रवाई होगी।

3 साल की मासूम को उठा ले गया भेड़िया

संवाददाता–बहराइच। घर के बाहर खेल रही 3 साल की मासूम को भेड़िया उठा ले गया। परिजनों के सामने भेड़िए ने बच्ची पर हमला बोला। चीख–पुकार सुनकर गांव वाले इकट्ठा हो गए। पुलिस और वन विभाग को सूचना दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्ची की तलाश शुरू की। ड्रोन के जरिए पूरे इलाके के चप्पे–चप्पे को खंगाला जा रहा है। बच्ची की पहचान जाह्नवी (3) पुत्री संतोष के रूप में हुई है। घटना सुबह 11 बजे की है, जब जाह्नवी अपने घर के बाहर खेल रही थी। अचानक एक भेड़िया वहां आया और बच्ची पर हमला कर दिया। भेड़िया बच्ची को जबड़े में दबोचकर जंगल की ओर भाग गया। मामला नया लोधन पुरवा गांव का है। कैसरगंज थाना क्षेत्र के गोडहिया नंबर 3 के मजरा लोधन पुरवा निवासी संतोष की 3 साल की बेटी जाह्नवी गुरुवार सुबह करीब 11 बजे घर के सामने खेल रही थी। तभी अचानक एक भेड़िया आया और बच्ची को अपने जबड़ों में दबाकर उठा ले गया। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और जानवर के पीछे भागे, लेकिन वह गन्ने के खेतों में घुस गया। काफी तलाश के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं लग सका है। बच्ची के दादा सजनलाल ने बताया कि बच्ची घर के दरवाजे के पास खेल रही थी। तभी भेड़िया धान के खेत से आया। उस समय उनकी दो बहुएं और एक पोता वहां मौजूद थे। इन्हीं तीनों ने भेड़िए को बच्ची को ले जाते हुए देखा और शोर मचाया। लेकिन, तब तक भेड़िया बच्ची को लेकर गायब हो चुका था। फिलहाल, बच्ची की मां बेसुध हैं। पिता संतोष ग्रामीणों और वन विभाग की टीम के साथ उसे खोजने में जुटे हुए हैं। सूचना मिलते ही कैसरगंज रेंजर ओमकार यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने गन्ने के खेतों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बताया गया कि भृगुपुरवा इलाके में सुबह करीब 6 बजे भेड़िए को देखा गया था। उसे भगाने के लिए फायरिंग भी की गई थी। इसके कुछ घंटे बाद ही उसने यह हमला कर दिया। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने बताया कि टीम मौके पर डटी है और बच्ची की तलाश जारी है। आसपास के गांवों में लोगों को सतर्क रहने और छोटे बच्चों को अकेला न छोड़ने की अपील की गई है।

डीएम आवास के सामने शिक्षकों का प्रदर्शन, वेतन न मिलने पर घेराव, भ्रष्ट बाबू के ट्रांसफर की मांग

संवाददाता–गोण्डा। जिले में स्थायी वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा विभाग न होने के कारण हजारों शिक्षकों, रसोइयों और शिक्षामित्रों को अक्टूबर माह का वेतन नहीं मिला है। वेतन न मिलने से आक्रोशित हजारों शिक्षकों ने आज शाम 5 बजे जिलाधिकारी आवास के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने भ्रष्ट बाबूओं के स्थानांतरण की भी मांग की है। शिक्षक संघर्ष समिति के बैनर तले सभी अध्यापक पहले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर भी जमकर विरोध प्रदर्शन किया और यहां नए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की तैनाती न होने के कारण शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन किया है। इसके बाद वे तख्तियां लेकर मोटरसाइकिल से गोंडा–लखनऊ रोड स्थित जिलाधिकारी आवास पहुंचे और गेट पर नारेबाजी की है। जिलाधिकारी आवास का घेराव करते हुए शिक्षकों ने अक्टूबर माह का वेतन तुरंत जारी करने की मांग की। उन्होंने गोंडा में स्थायी वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक की तैनाती और दीपावली बोनस भी दिलवाने की अपील की है। जिसको लेकर के शिक्षकों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जितेंद्र गौतम को अपना ज्ञापन भी दिया है। शिक्षकों की सबसे बड़ी मांग गोंडा के वित्त एवं लेखा विभाग तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लंबे समय से तैनात श्भ्रष्ट बाबूओंश का स्थानांतरण है। शिक्षकों का आरोप है कि इन्हीं की लापरवाही के कारण वेतन में देरी होती है और भ्रष्टाचार फैला हुआ है। इस मामले की जांच यूपी एसटीएफ द्वारा भी की जा रही है। शिक्षकों ने मांग की है कि इन कर्मचारियों का अन्यत्र स्थानांतरण कर नए कर्मचारियों की तैनाती की जाए, ताकि भ्रष्टाचार समाप्त हो और शिक्षकों को समय पर वेतन मिल सके। शिक्षक संघर्ष समिति के संयोजक सतीश पांडेय ने कहा कि गोंडा का शिक्षा विभाग पूरी तरीके से भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। हम लोगों को अक्टूबर माह का वेतन नहीं मिला है कोई भी यहां पर लेखा विभाग का चार्ज लेने को तैयार नहीं है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता पदयात्रा

संवाददाता–बलरामपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सदर विधानसभा क्षेत्र में एकता पदयात्रा आयोजित की गई। यात्रा का समापन भगवती आदर्श विद्यालय खेल मैदान में एक जनसभा के साथ हुआ। इसमें कैबिनेट मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री राकेश सचान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री सचान ने सरदार पटेल के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए उनके कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। आजादी के बाद 562 रियासतों का भारत में विलय उनकी दूरदृष्टि और साहस का परिणाम था। उन्होंने 1928 में किसानों के हित में बारदोली आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसके बाद उन्हें श्सरदारश की उपाधि मिली।

मंत्री सचान ने आगे कहा कि सरदार पटेल का सपना आत्मनिर्भर भारत का था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं। मोदी सरकार श्वोकल फॉर लोकलश अभियान चला रही है, वहीं प्रदेश सरकार 75 जिलों में स्वदेशी मेला आयोजित कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का भी उल्लेख किया। सदर विधायक पलटू राम ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी के बाद हैदराबाद और जूनागढ़ जैसी रियासतों को बिना युद्ध के भारत में शामिल करना सरदार पटेल की कूटनीतिक कुशलता का प्रमाण है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह द्वारा धारा 370 हटाए जाने को सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराकर सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

अश्लील वीडियो बनाकर 50 हजार मांगने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। नगर कोतवाली पुलिस ने एक युवक को अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी आमिर खान पर एक लड़की का नहाते समय वीडियो बनाने और वायरल करने की धमकी देकर 50,000 रुपए मांगने का आरोप लगा है। लड़की के व्हाट्सएप पर भेज करके 50000 की मांग की जा रही थी ना देने पर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था।

पीड़ित लड़की ने नगर कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी उसने आरोप लगाया कि आमिर खान लगातार उसका पीछा करता था। आरोपी ने घर में नहाते समय उसका अश्लील वीडियो और फोटो बना लिया था, जिसे व्हाट्सएप पर भेजकर

50,000 रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायत के अनुसार, पैसे न देने पर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई।

आरोपी कई मोबाइल नंबरों से कॉल कर ब्लैकमेल कर रहा था और जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। इस तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है जांच में आरोपी की पुष्टि होने पर नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया इसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है जिस मोबाइल फोन से वीडियो उसने बना करके लड़की को भेजा था

वहीं गोंडा नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि नगर कोतवाली पुलिस और गोंडा साइबर सेल इस मामले की जांच कर रही थी। आरोपी आमिर खान को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है पूरे मामले की जात नगर कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

श्री राम विवाह महोत्सव पर ग्रहण तो नहीं, लेकिन पाबंदियां रहेगी सख्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। जब से राम ब्याही घर आए, नित नव मंगल मोद बंधाए।भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या आज भी भजनानंदी संतों और वैष्णव परंपरा के त्यागी–बैरागी संतों की तपोभूमि है। यहां के संत अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के हर उत्सव को बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं। इन्हीं पर्वों में सबसे प्रमुख और प्रतीक्षित है प्रभु श्रीराम का मंगल विवाह महोत्सव, जिसका इंतजार भक्तजन पूरे वर्ष करते हैं।इस वर्ष यह आयोजन 25 नवंबर को होना है और परंपरा के अनुसार इस दिन अयोध्या के लगभग एक दर्जन प्रमुख मंदिरों से प्रभु श्रीराम की भव्य बारात नगर भ्रमण को निकलती है। देश के कोने–कोने से बैंड–बाजे, बग्गियां, कलाकार और रामलीला मंडलियां इसमें सम्मिलित होती हैं। तैयारियां एक माह पूर्व से ही प्रारंभ हो जाती हैं और 24, 25 नवंबर अंतिम चरण में रहती है।लेकिन इस वर्ष हम यह तो नहीं कह सकते की विवाह महोत्सव पर ग्रहण लगने वाला है, लेकिन इतना तो का ही सकते हैं की पाबंदियां सख्त रहेगी क्योंकि उसी दिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। सुरक्षा कारणों से प्रशासन द्वारा सख्त पाबंदियां लगाई जानी तय मानी जा रही हैं। ऐसे में राम बारात निकालने वाले मंदिरों और आयोजकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं तारादेवी पत्नी विजय कुमार यादव निवासी ग्राम पलिया शाहबदी पूरे जियाई मऊयदुवंशपुर थाना कैंट तहसील सदर जिला अयोध्या की मूल निवासनी हूं। मैं अपने पुत्र शैलेष कुमार यादव जो कि झगड़ालू प्रवृत्ति का है, आये दिन कलह कलेश करता रहता है व अपनी मर्जी से शादी कर लिया है उसका चाल चलन अच्छा नही है परिवार के कहने सुनने में नहीं हैं जिससे आहत होकर उन्हें अपने चल व अचल सम्पत्ति से दिनांक 11–11–2025 से बेदखल करती हूँ व उसके किसी भी कृत्य की जिम्मेदारी उसकी स्वयं होगी, प्रकाशन इसलिए करा रही हूँ कि वक्त जरूरत पर काम आ सके।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विजय कुमार यादव पुत्र रामसुन्दर यादव निवासी ग्राम पलिया शाहबदी पूरे जियाई मऊयदुवंशपुर थाना कैंट तहसील सदर जिला अयोध्या का मूल निवासी हूं। मैं अपने पुत्र शैलेष कुमार यादव जो कि झगड़ालू प्रवृत्ति का है, आये दिन कलह कलेश करता रहता है व अपनी मर्जी से शादी कर लिया है उसका चाल चलन अच्छा नही है परिवार के कहने सुनने में नहीं हैं जिससे आहत होकर उन्हें अपने चल व अचल सम्पत्ति से दिनांक 11–11–2025 से बेदखल करता हूँ व उसके किसी भी कृत्य की जिम्मेदारी उसकी स्वयं होगी, प्रकाशन इसलिए करा रहा हूँ कि वक्त जरूरत पर काम आ सके।

सड़क हादसे से आक्रोश, ग्रामीणों का प्रदर्शन, पुलिस का लाठीचार्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के गजपुर निवासी आकाश वर्मा की बुधवार को हुए सड़क दुघर्टना में मौत के बाद गजपुर में गुरुवार को दुकानें बंद रहीं। व्यापार मंडल गजपुर की अपील पर व्यापारी अपने प्रतिष्ठान को बंद कर सियर चौराहे पर एकत्रित होने लगे। दोपहर में 12 बजे के लगभग भीड़ ने गजपुर–रुद्रपुर व गजपुर–गगहा मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पर सबसे पहले थाना प्रभारी गगहा अंजुल चतुर्वेदी पहुंचे। इसके बाद उपजिलाधिकारी बांसगांव प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी बांसगांव अनुज कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच जाम लगाए लोगों से वार्ता की लेकिन बात नहीं बन सकीध्। अपराह्न पौने तीन बजे पुलिस ने लाठीचार्ज कर धरने पर बैठे भाजपा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विकास सिंह श्रीनेत को हिरासत में ले लिया। तीन बजे पुलिस अधीक्षक दक्षिणी विनेश कुमार पुरी भी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक सियर चौराहे पर पुलिस बल तैनात रही। सियर चौराहे पर सड़क जाम कर धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन के समक्ष पांच सूत्रीय मांग रखी। जिसमें गजपुर चौकी इंचार्ज का निलंबन, ट्रालर को जब्त कर चालक की गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता, गजपुर–गगहा मार्ग पर ट्रालरों के आवागमन पर प्रतिबंध, सड़क पर संवेदनशील स्थानों स्पीड ब्रेकर बनाना शामिल था। उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी से धरनारत लोगों की कई चक्र वार्ता चली। बात न बनने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ हटाया। धरना प्रदर्शन में महिलाएं व युवतियां भी पहुंची थी। व्यापारियों ने गम व गुस्से में गुरुवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। व्यापार मंडल गजपुर ने भी बंदी का आवाह्न किया था। व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारी धरना, बंदी व प्रदर्शन से गायब रहे। जिसकी चर्चा लोगों के जुबान पर रही। दुर्घटना में आकाश की जान जाने के बाद प्रशासन ने गगहा में सर्विस लेन के पास अस्थाई बैरिकेड लगाकर भारी वाहनों की आवाजाही गुरुवार को रोक दिया। इसके लिए स्थानीय लोग लंबे समय से मांग करध रहे थे।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पति–पत्नी की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद–मेंहदावल रोड पर गुरुवार दोपहर एक करीब दो बजे सड़क हादसे में विद्युत विभाग के कर्मचारी और उनकी पत्नी की मौके पर मौत हो गई। यह घटना पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दंपति अपनी बेटी की शादी के लिए सामान खरीदने जा रहे थे। मृतकों की पहचान बखिरा थाना क्षेत्र के बभनी चौराहा निवासी 57 वर्षीय ओमकार और उनकी 55 वर्षीय पत्नी कुशलावती के रूप में हुई है। ओमकार गोरखपुर जनपद में विद्युत विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। हादसे के वक्त उनके साथ मोटरसाइकिल पर उनका भांजा अमित कुमार (कोलकी चमरसन गांव निवासी) भी था, जिसे मामूली चोटें आई हैं। दोपहर करीब ढाई बजे, जब ओमकार अपनी पत्नी और भांजे के साथ खलीलाबाद–मेंहदावल रोड पर पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमकार और कुशलावती सड़क पर गिर गए और ट्रक उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। भांजे अमित को मामूली चोटें आईं।

आसपास मौजूद लोगों ने ट्रक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, इस दौरान ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर कलेक्ट्रेट चौकी प्रभारी अशोक कुमार दुबे मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने ओमकार और कुशलावती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

श्री कृष्ण जिसे मारते हैं उसे तारते भी हैं– संदीप शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । द्वारिका लीला में मर्यादा और गोकुल लीला में प्रेम है। वियोग में प्राण छटपटाते हैं तो जीव ईश्वर से मिल पाता है। कंस अभिमान है इसलिये मारा गया। कृष्ण जिसे मारते हैं उसे तारते भी हैं। गोपियां प्रेम की ध्वजा हैं तो उद्धव ज्ञान की मूर्ति। प्रेम भाषा और शव्द की सीमा से परे है। कृष्ण विरह में जीव व्याकुल होगा, आंखे बरसने लगेंगी तो मन की मलिनता धुल जायेगी। आंखों का अंधा, अंधा नही है आंखे होते हुये भी जो लोभ, मोह, मद काम की पट्टी के कारण नहीं देख पाता वही अंधा है। जिसकी आंखों को रूपयों पैसो ने घेर लिया है वही धृतराष्ट्र है। यह सद् विचार आचार्य संदीप शरण शुक्ल ने बेलगड़ी में आयोजित 9 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा को विश्राम देते हुये दिन व्यासपीठ से व्यक्त किया।

श्रीकृष्ण की बाल लीला, गोवर्धन पर्वत उठाने, उद्धव प्रसंग, कंस बध सहित अनेक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि जिसका मन मधुर है उसी के घर का माखन कन्हैया ग्रहण करता है। भक्ति में अधर्म आया नहीं कि वह भ्रष्ट हो गई। सत्कर्म किये जाने के बाद यदि अभिमान बढता हो तो वह किस काम का। गोकुल के कन्हैया और मथुरा आगमन, अक्रूर कथा, उद्धव के गमन सहित अनेक प्रसंगों का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि भारत कर्म भूमि है। प्रत्येक कर्म को श्रीकृष्ण की आज्ञा मानकर पूर्ण करो। पाप करते समय मनुष्य भूल जाता है कि ईश्वर सर्व व्यापी है , ऐसा मानोगे तो पाप नहीं कर पाओगे। श्रीकृष्ण बालक के साथ बालक, भोगी के साथ भोगी, योगी के साथ योगी और ज्ञानी के साथ ज्ञानी है।

–9 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

राजा परीक्षित के मुक्ति कथा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि अभिमान से सदैव सर्तक रहो। कलयुग में अहंकार के कारण ही पतन होता है। राजा परीक्षित के लिये तभी विमान आया जब उन्हें शुकदेव जी जैसा आचार्य मिला। शुकदेव जी भगवान शिव के अवतार है और उन्होने भागवत महिमा का गान कर जगत में श्रीकृष्ण महिमा को जन–जन तक पहुंचाया।

श्रीमती आशा शुक्ला और अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल ने परिजन और श्रद्धालुओं के साथ कथा व्यास का विधि विधान से पूजन अर्चन किया। कथा में मुख्य रूप से श्रीमती आशा शुक्ला और अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल ने परिजन और श्रद्धालुओं के साथ कथा व्यास का विधि विधान से पूजन अर्चन किया। परमपूज्य रामचन्द्र शुक्ल, श्रीमती सरोज शुक्ला की स्मृति में आयोजित कथा में मुख्य रूप से दुर्गा प्रसाद शुक्ल, डॉ० जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, डॉ. अम्बिका प्रसाद शुक्ल, अखिलेश कुमार शुक्ल अजय कुमार शुक्ल, आनन्द कुमार शुक्ल, विशाल शुक्ल, अभिषेक शुक्ल, आंजनेय शुक्ल, अमित शुक्ल, डॉ० मारूति शुक्ल, सर्वज्ञ शुक्ल, सूर्याश शुक्ल मंगलम शुक्ल, आदित्य शुक्ल, आराध्य शुक्ल, शिवाय शुक्ल, अच्युत गोविन्द शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ श्रीमदभागवत कथा सम्पन्न हुई।

सनातन धर्म संस्था द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का भव्य रूप से हुआ समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म संस्था द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव के नवम दिवस का शुभारंभ नित्य की भांति भगवान श्री राम जी, लक्ष्मण जी, हनुमानजी की आरती के साथ प्रारम्भ हुआ।

आज के प्रथम सत्र में पण्डित चतुर्भुज तिवारी विमला देवी इंटर कॉलेज, कप्तानगंज के बच्चों द्वारा लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकर्ण वध एवं दूसरे भाग में दिल्ली स्कूल ऑफ एक्ससीलेंस द्वारा मेघनाद वध, रावण वध, विभीषण राज्याभिषेक, सीता जी की अग्नि परीक्षा तथा तीसरे सत्र मे सी डी ए एकेडमी बनकटी बस्ती के बच्चों द्वारा भगवान का अयोध्या आगमन, व भव्य राज्याभिषेक का मंचन किया गया, बुधवार के प्रसंग में मेघनाद और लक्ष्मण जी के बीच भयंकर युद्ध होता है और लक्ष्मण जी को वीरघातिनी शक्ति लगने से वो मूर्छित हो जाते हैं, भगवान को करुण विलाप करता देख विभीषण जी लंका के राज वैद्य सुषेण से नारी परीक्षण कराने की सलाह देते हैं हनुमान जी सुषेण वैद्य को भवन सहित लाते हैं और नारी परीक्षण कर द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाने की बात कहते हैं, रात्रि रहते ही हनुमानजी बूटी लेकर आ जाते हैं और लक्ष्मण जी की चेतना वापस आते ही रामलीला पांडाल में प्रभु श्री राम जी, लक्ष्मण जी और हनुमानजी का जय घोष होने लगा, भगवान श्री राम द्वारा कुम्भकर्ण का वध किया जाता है। रावण को मेघनाथ वध की सूचना मिलती है सूचना मिलते ही रावण मूर्छित होकर विविध विलाप करने लगता है 'सुत बध सुना दसानन जबहीं, मुरछित भयउ परेउ महि तबहीं।।' फिर रावण अपनी सेना को ललकारते हुए आदेशित करता है की कोई भी सैनिक रण क्षेत्र से अपनी पीठ दिखाकर नहीं भागेगा जो भागेगा वह मारा जाएगा जैसे ही रावण अपने रथ पर सवार होकर रण क्षेत्र में आता है और एक तरफ से प्रभु राम की सेना के बंदर भालुओं को मारना काटना प्रारंभ कर देता है। रामा दल में हाहाकार मच जाता है इधर रावण के विरुद्ध श्री राम को पैदल देख विभीषण चिंतित होते हैं तब प्रभु उनकी चिंता को देखते हुए बोलते हैं की विभीषण जिससे जय होती है वह रथ दूसरा ही है शौर्य और धैर्य उसे रथ के पहिए हैं सत्य और सील उसकी मजबूत ध्वज और पताका है बाल विवेक दाम और परोपकार यह कर उसके घोड़े हैं जो क्षमा दया और समता रूपी डोरी से रथ से बंधे हुए हैं। इधर लक्ष्मण प्रभु से आज्ञा प्राप्त कर रावण को ललकारते हैं रावण अपने पुत्रों के वध करने वाले लक्ष्मण को समक्ष पाकर अत्यंत क्रोधित हो जाता है दोनों में भयंकर युद्ध होता है लक्ष्मण को भारी पड़ता देख रावण ब्रह्म शक्ति का प्रयोग कर लक्ष्मण को मूर्छित कर देते हैं तब बजरंगबली रावण से युद्ध कर उन्हें घुटने पर ला देते हैं लक्ष्मण को असफल होते देख प्रभु श्री राम देवताओं द्वारा भेजे रथ पर सवार होकर रण क्षेत्र में आ जाते हैं प्रभु श्रीराम और रावण के बीच भयंकर बंद होता है जिससे धरती थर्रा उठाती है प्रभु रावण के शीश बार–बार काटते हैं लेकिन वह फिर जीवित हो जाता है तब विभीषण रावण के मृत्यु का भेद प्रभु राम को बताते हैं प्रभु तीर का संधान कर रावण की लीला को समाप्त कर देते हैं।

समूचे पांडाल में जय श्री राम की जय घोष होने लगती है। रावण के मृत्यु उपरांत प्रभु विभीषण का राज्याभिषेक करते हैं सीता जी की वापसी के साथ सीता मइया की अग्नि परीक्षा का सुंदर मंचन हुआ। भगवान श्री राम जी के अयोध्या वापस आते ही प्रभु भारत जी से मिलते हैं प्रभु के राज्याभिषेक की सुंदर तैयारी होती है, चहुँओर सुंदर गीत गाए जाते हैं, पूरे राज्य को सुंदर दुल्हन की तरह सजाया जाता है, श्री राम दरबार की झाँकी जैसे दर्शकों के समक्ष दिखी, भगवान श्री राम जी के जयघोष होने लगे व आतिशबाजी होने लगी।

आज आरती में मुख्य रूप से डॉ अश्विनी सिंह, दुर्गा प्रसाद तिवारी, एम पी दूबे, चार्ल्स फिलिप, मंजुला श्रीवास्तव, अनिल तिवारी, गोपाल तिवारी, वेद प्रकाश सिंह, डॉ अरुणा पाल, भावेष पाण्डेय, सर्वेष्ट मिश्र, डॉ शैलेश सिंह, आचार्य देवर्षि त्रिपाठी, भावना सिंह, नीतू सिंह आदि सम्मिलित हुए।

श्री राम राज्याभिषेक के अवसर पर अभी प्रतिभागी विद्यालयों के प्रबन्धकध प्रधानाचार्य जी को संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों ने अबीर गुलाल उड़ाये और बच्चों में खिलौने, कार्यकर्ताओं को उपहार बांटे गए। प्रभु सिंहासन पर आसीन होते हैं, शास्त्रों के तरीके से प्रभु का राज्याभिषेक होता है और प्रभु की स्तुति गाई जाती है। प्रभु द्वारा पुरजन उपदेश के माध्यम से आम जनमानस के लिए सुंदर शिक्षा दी जाती है।

सनातन धर्म संस्था की ओर से डॉ शैलेश सिंह व श्याम चन्द्र चौधरी ने इस सफल आयोजन के लिए समस्त सनातन धर्म अनुरागियों, विद्यालय प्रबंधन व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और अगले वर्ष यह मंचन भव्य–दिव्य होगा इस संकल्प के साथ सभी को शुभकामना प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर कर्नल के सी मिश्र, जे के शाही, गोपेश्वर त्रिपाठी, डॉ डी के गुप्ता, श्याम चन्द्र चौधरी, शुशील मिश्र, राम स्वरूप चौधरी, अखिलेश दूबे, प्रेम चंद निषाद, अर्चना दूबे, राखी दूबे, अभिषेक शर्मा, सुमित द्विवेदी, दिनेश मिश्र, कैलाश नाथ दूबे, सुधीर सैनी, रमेश सिंह, अनुराग शुक्ल, मनीष सिंह, बबलू मेहदी, धीरज सरीन, डॉ वीरेन्द्र तिवारी, प्रेम शंकर ओझा, सहदेव दूबे, हरीश त्रिपाठी, राजेश मिश्र, सुष्मिता शानू, सन्तोष श्रीवास्तव, विनय शुक्ल, अनुभव मिश्र, प्रमोद श्रीवास्तव, गोविंद चौधरी, बुद्धिसागर शुक्ल, चंदन सिंह, शिवनाथ चौबे, भोलानाथ चौधरी, डॉ दुर्गेश पाण्डेय, डॉ रोहन दूबे, राम प्रकाश, प्रखर दूबे, अमन श्रीवास्तव, अभय त्रिपाठी, अर्पित गौड़, हर्ष, विनीत, मान्यता, श्री, विधि, अनुराग त्रिपाठी, डॉ शैलेश सिंह, अंकित त्रिपाठी, उमेश चंद्र त्रिपाठी, महेंद्र यादव, मीना त्रिपाठी, पिंटू यादव, तारा त्रिपाठी, मुक्तेश्वर नाथ आजाद, हरीश त्रिपाठी, ओम प्रकाश दूबे, सुनील सिंह, सुनील शुक्ल, विष्णु शुक्ल, विश्वम्भर शुक्ल, जय प्रकाश, रामवृक्ष, निखिल कुमार, आदि सहित पूरा पांडाल भरा रहा।

15.89 करोड़ की लागत से बनेगा ज्ञान विज्ञान पार्क

संवाददाता–गोरखपुर। योगी सरकार गोरखपुर में विश्व स्तरीय ज्ञान विज्ञान पार्क बनवा रही है। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के नाम पर बन रहे ज्ञान विज्ञान पार्क का निर्माण मार्च 2026 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। यह प्रदेश का दूसरा विज्ञान पार्क होगा। इसके निर्माण पर 15 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत आएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर 46 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला का आधुनिकीकरण भी कराया जा रहा है। नक्षत्रशाला के कायाकल्प और इसके कैम्पस में ज्ञान विज्ञान पार्क की स्थापना के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्टूबर 2022 में नक्षत्रशाला का दौरा करने के दौरान दिए थे। तब सीएम ने यहां आकर आंशिक सूर्य ग्रहण का नजारा देखा था और नक्षत्रशाला को विश्व स्तरीय स्तर पर अत्याधुनिक बनाने की मंशा जताई थी। उनके निर्देश के बाद डीपीआर बनाकर 5 जुलाई 2024 से नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण और 5 मई 2025 से ज्ञान विज्ञान पार्क के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। विज्ञान पार्क का कार्य मार्च 2026 तथा नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण का कार्य दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाना है।

नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण और इसके परिसर में ज्ञान विज्ञान पार्क की स्थापना से विद्यार्थी तारों की दुनिया की आभासी यात्रा कर सकेंगे। खेल–खेल में विज्ञान सीख सकेंगे, गूढ़ रहस्यों को समझ सकेंगे। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला के प्रभारी डॉ. महादेव पांडेय के मुताबिक आधुनिकीकरण से नक्षत्रशाला को विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। विज्ञान से संबंधित कई विशिष्ट उपकरण मंगाए जा रहे हैं। थ्री डी प्रोजेक्टर लगाने के साथ ही एम्फी थिएटर बनाया जा रहा है। नक्षत्रशाला में स्पेशल साइंस गैलरी बनाई जा रही है। सबसे खास आकर्षण एक्टिविटी लैब होगी। इस लैब में विद्यार्थी कई प्रायोगिक गतिविधियों में शामिल होकर विज्ञान की बारीकियों को सीख सकेंगे।

प्रदेश के के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने बुधवार को वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण कार्य एवं निर्माणाधीन विज्ञान पार्क का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नक्षत्रशाला को

आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाए। ताकि विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आम जनमानस को विज्ञान एवं खगोल संबंधी जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। उन्होंने विज्ञान पार्क के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसी को कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पार्क का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि यह न केवल गोरखपुर, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र के लिए विज्ञान शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। नक्षत्रशाला एवं विज्ञान पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पराली जलाने से जल निगम के लाखों के पाइप खाक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील के कैथोलिया गांव में पराली जलाने से जल निगम के लाखों रुपये के पाइप जलकर खाक हो गए। सड़क किनारे रखे ये पाइप बगल के खेतों से जलाई गई पराली की आग की चपेट में आ गए। जल निगम के ये पाइप नउवागाँव–विलवट संपर्क मार्ग पर मलंग चौराहे से कुछ आगे सड़क के किनारे रखे हुए थे। आग लगने के बाद ये काफी देर तक जलते रहे। शासन की सख्ती के बावजूद क्षेत्र में पराली जलाने की घटनाएं थम नहीं रही हैं। आए दिन गांवों में पराली जलाने की सूचनाएं मिल रही हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2023
धारा 116 उ0प्र0रा0अधि02006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बांसी जिला सिद्धार्थनगर
भागीरथी
बनाम
शत्रुधन आदि

1. शत्रुधननाथ वालिग 2. अवधेश कुमार पुत्रगण रामदुलारे 3. रविन्द्र वालिग पुत्र पटेश्वरी 4. अद्या प्रसाद वालिग 5. हरीश कुमार दूबे वालिग पुत्रगण रामदुलारे साकिनान उपरौटा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 6. लक्ष्मण प्रसाद उर्फ लक्षिमन वालिग पुत्र बुधिराम 7. नूरजहॉ वालिग पत्नी शाह मोहम्मद 8. श्रीमती कमला देवी वालिग पत्नी राजू 9. श्रीमती कपुरा देवी वालिग पत्नी राम सहाय साकिनान जगदेवा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 10. ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम प्रधान निवासी ग्राम आमा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 27–11–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–R.S.T. 3769/2025
कं0वाद सं0–T2025171140403769
धारा 209 ग U.P.R.C. 2006
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय रूधौली जिला–बस्ती
राजेन्द्र सिंह आदि
बनाम
शकुन्तला आदि

1. शकुन्तला देवी पत्नी रामदयाल साकिन रानीपुर तहसील मेहदावल जिला संतकबीरनगर 2. श्रीमती मीरा देवी विक्रमरमण साकिन बैदौला तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–11–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

ट्रैक्टर की चपेट में आकर मजदूर की दर्दनाक मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा परमेश्वरपुर के टोला बनसप्ती के पास गुरुवार दोपहर एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, झारखंड के जिला राजी के ग्राम हाडू निवासी मजदूर भट्ठे पर काम करता था। गुरुवार करीब तीन बजे वह राजेश मार्का ईंट भट्ठे के ट्रैक्टर पर बैठकर कहीं जा रहा था। इसी दौरान अचानक नीचे गिर गया और ट्रैक्टर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय भानपुर जिला–बस्ती
वाद सं0–144/2019
अतीकुर्रहमान अन्सारी
बनाम
जमीलुर्रहमान आदि

1. जमीलुर्रहमान उम्र 68 साल पुत्र मुइनुद्दीन 2. सैफ उम्र 38 साल पुत्र ओबैदुर्रहमान निवासीगण ग्राम बढ़यासरदहा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अटल बिहारी वाजपेई अजातशत्रु थे -प्रो जितेंद्र मिश्र

संवाददाता–गोरखपुर। डीडीयू के मिशन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर एवं विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विधि विभाग के अध्यक्ष एवं विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. जितेंद्र मिश्र और विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉक्टर शैलेश सिंह व डॉ. मनीष राय उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. अमोद कुमार राय ने कार्यक्रम के उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. जितेंद्र मिश्रा ने अटल जी के व्यक्तित्व के विराट पक्षों को सभी के सम्मुख प्रस्तुत किया।

प्रो चंद्रशेखर ने अटल जी की मजबूत विदेश नीति एवं रक्षा नीति का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को अटल जी के जीवन से जुड़े हुए एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। संचालन डॉ रजनीश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विधि विभाग के डॉ. अभय मल्ल, डॉ. सुमन लता चौधरी, डॉ. शिवपूजन सिंह, डॉ. आलोक कुमार आदि उपस्थित थे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद सं0 296/1999
राम प्रसाद
बनाम
शेषराम आदि

1. शेषराम उम्र लगभग 71 साल 2. सुरेन्द्रनाथ उम्र लगभग 70 साल पुत्रगण जगनरायन ग्राम पटखौली तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 3. कौशल कुमार उम्र लगभग 50 साल पुत्र फौजदार साकिन चॉदाचौबे तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025के माह 11 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2025 के 11 माह 04 के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी तबरेज अहमद पुत्र मोहम्मद इसराइल ग्राम–रक्साकला पोस्ट– दानोकुईयां जनपद सन्तकबीर नगर का निवासी है। मेरे पासपोर्ट में त्रुटिबश TABRAJE AHAMD हो गया है जो गलत है। इसे TABREZ AHAMD कराया जाय।

नदी में डूबे व्यक्ति का मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के खड़ेसरी गांव निवासी पन्नेलाल (50) का शव गुरुवार की सुबह सरयू नदी से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि पन्नेलाल बुधवार की शाम से लापता थे। वे कस्बे में कपड़ों की फेरी लगाकर जीवन–यापन करते थे। देर रात तक घर नहीं लौटे तो परिजन चिंतित हो उठे। गुरुवार सुबह खड़ेसरी गांव के पास नदी किनारे ग्रामीणों ने पन्नेलाल का मोबाइल और शर्ट देखी, तो शोर मचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव बरामद किया। मृतक पांच भाइयों में सबसे बड़े थे और अपने पीछे पत्नी व दो पुत्र छोड़ गए हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com